



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 71]

No. 71]

नई दिल्ली, बुहस्पतिवार, अप्रैल 1, 1999/चैत्र 11, 1921  
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 1, 1999/CHAITRA 11, 1921

वाणिज्य भंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1999

विषयः—एक्रेलिक फाइबर के आयातों से संबंधित पाटनरोधी सीमा शुल्क की समीक्षा—अंतिम निष्कर्ष

सं. 38/4/97/एडीडी.—1995 में यथासंशोधित सीमा शुल्क टेरिफ अधिनियम, 1975 और उसके सीमा शुल्क टेरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन एवं संग्रहण और क्षति का निर्धारण) नियम, 1995 का पालन करते हुए :—

क. पद्धति

1. जांच के लिए नीचे दी गयी पद्धति का पालन किया गया है :

- (i) पदनामित अधिकारी (जिसे इसमें इसके बाद अधिकारी कहा गया है) ने थाइलैंड मूल के या वहां से निर्यातित माल पर पाटनरोधी सीमा-शुल्क की समीक्षा का अनुरोध करते हुए मै० थाई एक्रेलिक फाइबर कम्पनी लिमिटेड, थाइलैंड, से (जिसे इस अधिसूचना में बादी भी कहा गया है) लिखित आवेदन प्राप्त किया ;
- (ii) अधिकारी ने बादी द्वारा पर्याप्त साक्ष्य देने के आधार पर, बादी द्वारा एक्रेलिक फाइबर के आयातों की समीक्षा जांच आरंभ करने का निश्चय किया। अधिकारी ने बादी द्वारा निर्यातित एक्रेलिक फाइबर के आयातों के संबंध में समीक्षा जांच आरंभ करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में एक सार्वजनिक सूचना तारीख 14 जुलाई, 1998 को जारी की।
- (iii) अधिसूचना तारीख 14 अक्टूबर, 1997 द्वारा अधिकारी ने जांच समाप्त की थी जिसे इस अधिसूचना में 'पिछली जांच' कहा गया है।
- (iv) अधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की प्रतिचां भारत में एक्रेलिक फाइबर के सभी ज्ञात आयातकों तथा उपभोक्ताओं (जिनका विवरण पिछली जांच में उपलब्ध कराया गया था) को भेजी और उनसे पत्र के चालीस दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप में देने के लिए कहा। एक प्रश्नावली भी नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना प्राप्त करने के लिए ज्ञात आयातकों तथा/या उपभोक्ताओं को भेजी गई।
- (v) समीक्षा की अवधि के दौरान भारत में एक्रेलिक फाइबर के आयातों का विवरण उपलब्ध कराने के लिए सैंट्रल बोर्ड ऑफ एक्साइज एंड कस्टम (सीबीईसी) से मनुरोध किया गया। परन्तु सीबीईसी से कोई भी उत्तर प्राप्त नहीं हुआ।
- (vi) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए एक प्रश्नावली भारत में एक्रेलिक फाइबर के निम्नलिखित 3 उत्पादकों को भेजी गयी। तीनों कम्पनियों ने अपने उत्तर भेजे :

  - (क) ईंडियन एक्रेलिक्स लिमिटेड
  - (ख) पशुपति एक्रीलोन लिमिटेड
  - (ग) कंसोलिडेटेड फाइबर्स एंड कैमिकल्स लिमिटेड

- (vii) प्राधिकारी ने मौखिक रूप से विचार सुनने के लिए 15 दिसम्बर, 1998 को एक जनसुनवाई का आयोजन किया। इस जनसुनवाई में भाग लेने वाली पार्टीयों से, उनके द्वारा मौखिक रूप से दिए

- गए विचारों को लिखित रूप में देने का अनुरोध किया गया। पार्टियों से, विपक्षी पार्टियों द्वारा दिए गए विचारों की प्रतियां लेने और उनका उत्तर देने के लिए भी कहा गया।
- (viii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के अगोपनीय रूप को सार्वजनिक फाईल के रूप में, किसी भी हितबद्ध पार्टी द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा।
- (ix) जाँच 1 जनवरी, 1997 से 30 सितम्बर, 1997 की अवधि के लिए की गयी थी।
- (x) पूर्ववर्ती नियमों के नियम 16 के अनुसार, इन निष्कर्षों हेतु आवश्यक समझे गए सभी तथ्य/आधार, सभी हितबद्ध पार्टियों को बता दिए गए थे और उन पर प्राप्त इत्परिणयों पर इन निष्कर्षों में पूरी तरह विचार किया गया है।
- ख. भारतीय उत्पादकों, थाई एकेलिक फाइबर, आयतकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार।
2. एकेलिक फाइबर के भारतीय उत्पादकों, थाई एकेलिक फाइबर, आयतकों एवं अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों को इसमें दिए गए संबंधित पैराग्राफों में लिया गया है और साथ ही, अधिकारी द्वारा उनकी समीक्षा की गयी है।
- ग. विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तुएँ और स्वदेशी उद्योग
3. विचाराधीन उत्पाद, स्वदेशी उद्योग और समान वस्तुओं के संबंध में कोई विवाद नहीं है। अतः विचाराधीन उत्पाद, स्वदेशी उद्योग और समान वस्तुओं पर पहले अधिसूचित अंतिम निष्कर्ष अपरिवर्तित हैं।
- घ. पाटन
4. थाई एकेलिक फाइबर कम्पनी ने पाटन तथा पाटन मार्जिन संबंध में विस्तृत सूचना दी है। कम्पनी ने दावा किया है कि जनवरी-सितम्बर, 1997 की अवधि के लिए भारत को किए गए उनके निर्यातों के संबंध में पाटन मार्जिन बहुत ही कम है। ऐसा पिछली जाँच में प्राधिकारी द्वारा अनुमत मूल्य समायोजनों पर विचार करते हुए भी है। वादी ने दावा किया है कि थाइलैंड में स्वदेशी बाजार में इसे दी गयी सुरक्षा को उनकी सरकार ने कम कर दिया है जिसके परिणामस्वरूप थाइलैंड के स्वदेशी बाजार में उनके बिक्री मूल्य कम हो गये हैं।
5. प्राधिकारी ने वादी द्वारा इस आत के प्रथम दृष्ट्या पर्याप्त आधार पर, नियम 22 के अनुसार समीक्षा जाँच शुरू की कि प्राधिकारी द्वारा आंकित पाटन मार्जिन समाप्त हो गया है। प्राधिकारी ने आवश्यक समझी गयी सीमा तक वादी द्वारा दी गयी सूचना की जाँच की। अधिकारी ने वादी द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में पाटन मार्जिन का पुनः निर्धारण किया है जिसके विवरण पर इसमें इसके आगे अर्थात् की गयी है।
6. चूंकि वर्तमान जाँच का प्रयोजन वादी द्वारा की गयी बिक्रियों के संबंध में पाटन मार्जिन का पुनः निर्धारण है, प्राधिकारी ने, जैसा भी आवश्यक समझा, वादी के परिसर पर वैसी

जाँच करने के बाद पाटन मार्जिन का पुनः निर्धारण किया है। पाटन तथा पाटन मार्जिन, वादी द्वारा दी गयी सूचना के आधार पर निश्चित किया गया है। वादी द्वारा किए गए दावों एवं पाटन तथा पाटन मार्जिन के संबंध में प्राधिकारी द्वारा उनकी जाँच निम्नलिखित के अनुसार है :—

7. सामान्य मूल्य : वादी ने दावा किया है कम्पनी द्वारा थाइलैंड में स्वदेशी बाजार में की गयी बिक्रियों के औसत बिक्री मूल्य को, सामान्य मूल्य तय करने का आधार माना जा सकता है। वादी ने स्वदेशी बाजार में की गयी सभी बिक्रियों का सौदे-अनुसार विवरण दिया है और दावा किया है कि थाइलैंड में की गयी बिक्रियों के बारे में भारत औसत बिक्री मूल्य को सामान्य मूल्य निश्चित करने के लिए आधार स्वीकार किया जाए।
8. प्राधिकारी ने नोट किया कि वादी ने विषयगत माल के उत्पादन की अपनी लागत का विवरण दिया है। उत्पादन लागत की जाँच से पता लगता है कि वह अनेक सौदों में बिक्री मूल्यों से अधिक है। अतः उन सभी सौदों पर ध्यान नहीं दिया जिनमें हानी पाई गयी थी। प्राधिकारी ने नोट किया कि शेष सौदे महत्वपूर्ण हैं और सामान्य मूल्य तय करने के प्रयोजन के लिए प्रतिनिधिस्वरूप हैं।
9. मूल्य समायोजनों के संबंध में वादी द्वारा किये गए दावों तथा प्राधिकारी द्वारा उनकी जाँच निम्नलिखित के अनुसार है :—

#### दावा

क. छूट : वादी ने दावा किया है कि इसने स्वदेशी बाजार में माल बेचा है जिसमें इसने कुछ ग्राहकों के साथ मूल्यों की सौदेबाजी करते हुए छूट दी है।

#### प्राधिकारी द्वारा जाँच :

प्राधिकारी ने नोट किया कि वादी द्वारा जिन छूटों का दावा किया गया है वे छूटें बीजकों में नहीं दी गयी हैं। ये वे छूटें हैं जो वादी द्वारा बिक्रियों के बाद दी गयी हैं अतः प्राधिकारी इसके लिए छूटों को अस्वीकृत करता है।

#### किया गया दावा

ख. कमीशन : वादी ने दावा किया है इसने अपने ग्राहकों में से एक को की गयी बिक्रियों पर कमीशन दिया है। कम्पनी द्वारा दिए गए कमीशन का समायोजन औसत बिक्री मूल्यों से किया जाना चाहिए।

#### अधिकारी द्वारा जाँच :

प्राधिकारी ने नोट किया कि वादी द्वारा अपने ग्राहकों में से एक को दिया गया कमीशन वह कमीशन है, जो बिक्रियों के बाद दिया जाता है। अतः प्राधिकारी इसके लिए छूट की अनुमति नहीं देता।

#### किया गया दावा

ग. स्वदेशी भाड़ा : नियातिक ने स्वदेशी बाजार में कम्पनियों द्वारा की गयी सभी बिक्रियों तथा स्वदेशी भाड़े पर किए गए कुल खर्च के आधार पर स्वदेशी भाड़े की मांग की है।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने इसके लिए समायोजन की अनुमति दे दी है क्योंकि यह स्वदेशी बाजार में की गयी बिक्रियों पर बादी द्वारा स्वदेशी भाड़े पर किये गए खर्च पर आधारित है।

### किया गया दावा

घ. व्याज़: बादी ने दावा किया है कि इसने थाइलैंड में अपने कुछ ग्राहकों को उधार पर माल बेचा है जिसकी लागत थाइलैंड में सभी बिक्रियों के लिए उधार की औसत अवधि के आधार पर बिक्री मूल्यों से घटाई जानी चाहिए।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने इसके लिए समायोजन की अनुमति दे दी है क्योंकि यह बादी द्वारा स्वदेशी बाजार में की गयी बिक्री पर दिए गए उधार के आधार पर है। तथापि, प्राधिकारी ने पाया है कि भारत में किए गए नियांत भी कुछ उधार पर हैं। प्राधिकारी ने बादी से संबंधित सूचना के लिए अनुरोध किया और भारत को नियांतों के मामले में भी उधार की बिक्रियों के लिए मूल्य समायोजन पर विचार किया है।

### किया गया दावा

ड. जोखिम को कवर करते हुए गारंटी कमीशन:—यह दावा किया गया है कि कम्पनी को अपने ग्राहकों में से एक से गारंटी प्राप्त करने के लिए खर्च करना पड़ा है जिसकी लागत, स्वदेशी बाजार में की गयी बिक्रियों एवं कम्पनी द्वारा दिए गए कुल कमीशन के आधार पर बिक्री मूल्यों से घटाई जानी चाहिए।

### अधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने इसके लिए समायोजन की अनुमति दे दी है क्योंकि यह स्वदेशी बाजार में की गयी बिक्रियों पर बादी द्वारा किए गए खर्च पर आधारित है।

10. नियांत मूल्य:—बादी ने भारत को किये गए सभी नियांतों के लिए सीआईएफ नियांत मूल्य के औसत के आधार पर नियांत मूल्य की मांग की है। बादी ने भारत को किये गए नियांतों के सौदेवार विवरण दिए हैं। बादी ने सीआईएफ नियांत मूल्य से निम्नलिखित मूल्य समायोजन उद्घाटित किए हैं।

### किया गया दावा:—

क. विदेशी भाड़ा और बीमा:—नियांतक ने, भारत को किये गए नियांतों हेतु देय औसत भाड़े के आधार पर विदेशी भाड़े एवं समुद्री बीमे की मांग की है।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने इसके लिए समायोजन की अनुमति दे दी है क्योंकि यह भारत को किए गए नियांतों पर बादी द्वारा किए गए खर्च के आधार पर है।

### किया गया दावा

ख. स्वदेशी भाड़ा:—बादी ने थाईलैंड में एकेलिक फाइबर के स्वदेशी परिवहन हेतु समायोजन की मांग की है।

### अधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने इसके लिए समायोजन की अनुमति दे दी है क्योंकि यह भारत को किए गए नियांतों पर बादी द्वारा किए गए खर्च के आधार पर है।

### किया गया दावा

ग. कोर्ट प्रभार तथा विस्तीर्ण एवं फारबिङ्ग प्रभार:—नियांतक ने इनके लिए, शिपिर द्वारा बनाए गए बीजकों के आधार पर समायोजन मांगा है।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने इसके लिए समायोजन की अनुमति दे दी है क्योंकि यह भारत को किए गए नियांतों पर बादी द्वारा किए गए खर्च के आधार पर है।

11. उपरोक्त आधार पर पाटनमार्जिन नियांत मूल्य का 7.86 प्रतिशत आता है।

### घ. क्षति तथा कारणात्मक संबंध

12. क्या इस समय लागू होने वाला सीमा शुल्क जारी रखा जाना चाहिए या नहीं इस बात का निश्चय करने के लिए संबद्ध कारक पाटन मार्जिन और वर्तमान पाटन रोधी सीमा शुल्क पर विचार किए बिना क्षति की सीमा हैं। प्राधिकारी ने भारतीय उत्पादकों के लिए उचित बिक्री मूल्य का पुनर्निर्धारण किया है जिसके लिए इण्डियन एकेलिक्स लिमिटेड, पश्चुपति एक्रीलोन लिमिटेड, एवं कंसोलिडेटेड फाइबर एंड कैमिकल्स लिमिटेड ने पर्याप्त सूचना उपलब्ध कराई थी। यह पाया गया है कि जांच अवधि में आयांतों का लैंडिंग मूल्य, यदि वर्तमान पाटनरोधी सीमा शुल्क पर विचार नहीं किया जाता है, तो स्वदेशी उद्योग के उचित बिक्री मूल्य से कम था। अतः प्राधिकारी की राय है कि यदि वर्तमान पाटनरोधी सीमा शुल्क नहीं लगाया जाता है तो स्वदेशी उद्योग को हानि होगी।

### च. अंतिम निष्कर्ष

13. उपरोक्त पर विचार करते हुए प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि :—

क. थाई एकेलिक फाइबर कम्पनी लिं. के भूल का या वहां से नियांतित एकेलिक फाइबर का भारत में अपने सामान्य मूल्य से नीचे पर नियांत किया गया।

ख. यदि लागू किया गया पाटनरोधी सीमा शुल्क हटा दिया जाता है तो स्वदेशी उद्योग को पर्याप्त वित्तीय हानि होगी।

ग. थाई एकेलिक फाइबर कम्पनी लिमिटेड से आयांतों के कारण क्षति होगी।

14. थाईलैंड मूल के या वहां से नियांतित एकेलिक फाइबर के आयांतों पर लागू पाटनरोधी सीमा शुल्क जारी रखना उचित माना गया है। पाटनरोधी शुल्क रु 5039 प्रति मीट्रिक टन होगा।

15. उपरोक्त के अधीन रहते हुए अधिसूचित तारीख 14 अक्टूबर, 1997 द्वारा अधिसूचित अंतिम निष्कर्ष अपरिवर्तित है।

16. इस आदेश के विरुद्ध अपील पूर्ववर्ती अधिनियम के अनुसार कस्टम, एक्साइज तथा गोल्ड (कंट्रोल) अपीलीय ट्रिब्यूनल को की जा सकती है।

रति विनय झा, पदनामित अधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE**  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 1st April, 1999

**Subject—Review of Anti-dumping duties concerning imports of acrylic fibre—final findings.**

**38/4/97/ADD.**—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof :

**A. PROCEDURE**

1. The Procedure described below has been followed :
  - (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the Rules, received written application from M/s Thai Acrylic Fibre Co., Ltd., Thailand (also referred to as petitioner in this notification), requesting review of anti-dumping duty originating in or exported from Thailand;
  - (ii) The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner, decided to initiate review investigations against imports of acrylic fibre by the petitioner. The Authority issued a public notice dated 14th July, 1998 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating review investigations concerning imports of acrylic fibre exported by the petitioner;
  - (iii) The investigations concluded by the Authority vide notification dated 14th Oct., 1997 have been referred to as "the previous investigations" in this notification;
  - (iv) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers and consumers of acrylic fibre in India (whose details were made available in the previous investigations) and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter. A questionnaire was also sent to the known importers and/or consumers calling for necessary information in accordance with rule 6(4);
  - (v) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of acrylic fibre in India during the period of review. No response has, however, been received from CBEC.
  - (vi) A questionnaire was sent to the following three producers of acrylic fibre in India, calling for necessary information in accordance with rule 6(4). All the three companies their response;
    - (a) Indian Acrylics Ltd.,
    - (b) Pasupati Acrylon Ltd.,
    - (c) Consolidated Fibres & Chemicals Ltd.
  - (vii) The Authority had a public hearing on 15th Dec., 1998 to hear the views orally. The parties attending

the public hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and were requested to offer their rebuttals;

- (viii) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained and kept open for inspection by an interested party;
  - (ix) Investigation was carried out for the period starting from 1st Jan., 1997 to 30th Sept., 1997;
  - (x) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to all known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings.
- B. VIEWS OF INDIAN PRODUCERS, THAI ACRYLIC FIBRE, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES**
2. Views expressed by the Indian producers of acrylic fibre, Thai Acrylic Fibre, importers and other interested parties have been brought in the relevant paragraphs in this notification alongwith examination of the same by the Authority.
- C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION, DOMESTIC INDUSTRY AND LIKE ARTICLES**
3. There is no argument on the product under consideration, domestic industry and like articles. The final findings notified earlier on the product under consideration, domestic industry and like articles are, therefore, unchanged.
- D. DUMPING**
4. Thai Acrylic Fibre Co. filed detailed information with regard to the dumping and dumping margin. The company claimed that the dumping margin in respect of their exports to India for the period Jan., Sept., 1997 is de-minimus, even while considering the price adjustments allowed by the authority in the previous investigations. The petitioner has claimed that the protection granted to it in the domestic market in Thailand was reduced by their Government, resulting in reduction in their selling prices in the domestic market in Thailand.
  5. The Authority initiated review investigations in accordance with Rule 22 on the basis of sufficient prime-facie information furnished by the petitioner that the dumping margin assessed by the Authority had eliminated. The Authority verified the information furnished by the petitioner to the extent deemed necessary. The Authority has reassessed the dumping margin in respect of the exports made by the petitioner, details of which have been discussed hereunder.

6. Since the purpose of the present investigations is to reassess the dumping margin in respect of the sales made by the petitioner, the Authority has reassessed the dumping margin after conducting such verification at the premises of the petitioner as deemed fit. The dumping and dumping margin has been determined on the basis of the information furnished by the petitioner. The claims made by the petitioner and examination of the same by the Authority with regard to dumping and dumping margin are as follows:
7. **Normal value:** The petitioner has claimed that the average selling price of the sales made by the company in the domestic market in Thailand can be considered as the basis for determination of normal value. The petitioner has furnished transactionwise details of all sales made in the home market and has claimed that the weighted average selling price in respect of the sales made in Thailand be adopted as the basis for determination of normal value.
8. The Authority notes that the petitioner has furnished details of its cost of production for the subject goods. Scrutiny of the cost of production reveals that the same is above selling prices in a number of transactions. The Authority has, therefore, disregarded all those transactions which were found to be at a loss. The Authority notes that the remaining transactions are significant and representative for the purpose of determination of normal value.
9. The claims made by the petitioner with regard to price adjustments and examination of the same by the Authority are as under:

**Claims made:**

- a. **Discounts:** The petitioner has claimed that it has sold goods in the domestic market, wherein it has given discounts from the prices negotiated with some of the customers.

**Examination by the Authority:**

The Authority notes that the discounts claimed by the petitioner are not the discounts given in the invoices. These are the discounts given by the petitioner subsequent to sales. The Authority, therefore, disallows discounts on this account.

**Claims made:**

- b. **Commission:** The petitioner has claimed that it has paid commission on the sales made to one of its customers. The commission paid to the company should be adjusted from the average selling prices.

**Examination by the Authority:**

The Authority notes that the commission given by the petitioner to one of its customers are the

commission given subsequent to sales. The Authority, therefore, disallows discounts on this account.

**Claims made:**

- c. **Inland freight:** The exporter has claimed inland freight on the basis of total expenditure incurred on account of inland freight and all sales made by the company in the domestic market.

**Examination by the Authority:**

The Authority has allowed adjustment on this account as the same is based on the inland freight incurred by the petitioner on sales made in the home market.

**Claim made:**

- d. **Interest:** The petitioner has claimed that it has sold goods on credit to some of its customers in Thailand, cost of which should be deducted from the selling prices on the basis of average credit period for all sales in Thailand.

**Examination by the Authority:**

The Authority has allowed adjustment on this account as the same is based on the credits extended by the petitioner on sale made in the home market.

The Authority however, finds that the exports made to India also had some credit. The Authority, therefore, requested relevant information from the petitioner and has considered price adjustment on account of credit sales in case of exports to India also.

**Claims made:**

- e. **Guarantee Commission to cover risk:** It has been claimed that the company has to bear expenditure for getting guarantee from one of its customers, cost of which should be reduced from the selling prices on the basis of total commission paid by the company and sales made in the domestic market.

**Examination of the Authority:**

The Authority has allowed adjustment on this account as the same is based on the expenditure incurred by the petitioner on sale made in the home market.

10. **Export price:** The petitioner has claimed export price on the basis of average of the CIF export price for all exports made to India. The petitioner has furnished transaction wise details of exports made to India. The petitioner has disclosed the following price adjustment from the CIF export price:

**Claims made:**

- a. **Overseas freight and insurance:** The exporter has claimed overseas freight and marine insurance on the basis of average freight payable for exports to India.

**Examination of the Authority:**

The Authority has allowed adjustment on this account as the same is based on the expenditure incurred by the petitioner on exports to India.

**Claims made:**

- b. **Inland freight:** The petitioner has claimed adjustment on account of inland transportation of acrylic fibre in Thailand.

**Examination of the Authority:**

The Authority has allowed adjustment on this account as the same is based on the expenditure incurred by the petitioner on exports to India.

**Claims made:**

- c. **Port charges and clearing & forwarding:** The exporter has claimed adjustment on these accounts on the basis of the invoices raised by the shipper.

**Examination the Authority:**

The Authority has allowed adjustment on this account as the same is based on the expenditure incurred by the petitioner on exports to India.

11. The dumping margin on the above basis comes to 7.86% of export price.

**E. INJURY AND CAUSAL LINK**

12. The relevant factors to decide whether the anti-dumping duties in force should be continued or not are the dumping margin and the extent of injury without considering the prevailing anti-dumping duty. The Authority has reassessed the fair selling price for the Indian producers, for which sufficient

information was furnished by Indian Acrylics Ltd., Pasupati Acrylon Ltd. and Consolidated Fibre & Chemicals Ltd. It is found that the landed value of imports in the investigation period were lower than the fair selling price of the domestic industry in case the anti-dumping duty in force is not considered. The Authority, therefore, holds that the injury to the domestic industry would recur in case the anti-dumping duty in force are revoked.

**F. FINAL FINDINGS**

13. The Authority concludes, after considering the foregoing, that:
  - a. Acrylic fibre originating in or exported by Thai Acrylic Fibre Co. Ltd. has been exported to India below its normal value;
  - b. The domestic industry would suffer material injury in case the anti-dumping duty in force is removed.
  - c. The injury would be from imports from Thai Acrylic Fibre Co., Ltd.
14. It is considered appropriate to continue imposition of anti-dumping duty on imports of acrylic fibre originating in or exported from Thailand. The anti-dumping duty shall be Rs. 5039 per MT.
15. Subject to above, the final findings notified vide notification dated 14 Oct., 1997 are unaltered.
16. An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority